

20. औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती में प्रमाणपत्र (CERTIFICATE IN MEDICINAL AND AROMATIC PLANTS)

Objective: औषधीय एवं सुगंधित पौधों की व्यावसायिक खेती का भविष्य काफी उज्वल है। अच्छी जलवायु होने के कारण भारत में दुर्लभ जड़ी-बूटियों की अनेक किस्मों की खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है, जिसमें आर्थिक लाभ की पूरी संभावना है। संयोग ऐसा है कि बिहार की जलवायु एवं मौसम जड़ी-बूटियों की खेती के लिए बेहद उपयुक्त है। जड़ी-बूटियों की बाजार में माँग भी काफी अच्छी है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को वैज्ञानिक तरीके से औषधीय पौधों की खेती करना, उनकी कटनी, भंडारण, पैकिंग इत्यादि की जानकारी के साथ-साथ, उनके उद्यमिता विकास पर भी जानकारी दी गई है। कृषकों एवं बेरोजगार युवकों के लिए यह पाठ्यक्रम खास तौर पर महत्त्व रखता है। इस प्रमाणपत्र के धारकों को रोजगार प्राप्त करने में प्राथमिकता मिल सकती है। इस पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम योग्यता मैट्रिक पास है ।

इस पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम योग्यता मैट्रिक पास है ।

पाठ्यक्रम संरचना:- इस पाठ्यक्रम में कुल चार पत्र होंगे, जिनमें तीन सैद्धांतिक (Theory) तथा एक प्रायोगिक (Practical) पत्र होगा। प्रत्येक पत्र 100 अंक का होगा। सभी सैद्धान्तिक पत्रों में 80 अंकों के लिये तीन घंटों की लिखित परीक्षा होगी एवं 20 अंकों के लिए सत्रीय कार्य जमा करना होगा । प्रायोगिक पत्र में 20 अंकों की लिखित परीक्षा होगी एवं 80 अंकों का प्रायोगिक कार्य (Practical Work) करना होगा । यह पाठ्यक्रम 6 माह का है ।

Scheme of Examination - Students being admitted to this course must pass in each paper of the examination to pass the certificate course. To pass in each paper, a student must secure at least 33% of marks in each paper separately. To determine 33% of marks in each paper, the marks obtained by a student, both in term-end written examination and home assignment, shall be clubbed and counted together to determine the aforesaid percentage. However, if a candidate has secured Zero mark in the term-end written examination or home assignment examination in any paper, as the case may be, he/she will be deemed to have failed in that paper. Failure in one paper will mean failure in that part of the examination. Hence, students must strive hard to pass separately in each paper.

The term-end examination shall be held at the end of the academic session and, as said, it will be compulsory to pass in each paper of the examination before a student is declared to have passed his/her certificate course.

This course is divided into 4 papers; each carrying 100 marks. The distribution of marks between written examination assignment and practical work will be as follows:

Paper	Title of the paper	Distribution of Marks between Theory and Assignment			Minimum Marks required to pass the examination (written exam. + practical/ Assignment)
		Written exam	Assignment	Practical	
1.	Fundamental Aspects of the Course	80	20		33
2.	Cultivation Technology	80	20		33
3.	Post-Harvest Technology	80	20		33
4.	Practical	20		80	33
	Total	260	60	80	99